आज़ादी का अमृत महोत्सव

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India

1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

आज़ादी का अमृत महोत्सव
भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष का उत्सव

सेन्ट कान्हेरी

मुम्बई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय की ई-पत्रिका

सितम्बर – 2022

विषय –सूची

संरक्षक

श्री जय शंकर प्रसाद
क्षेत्रीय प्रमुख

मार्गदर्शक

श्री सत्येन्द्र सिंह
(मुख्य प्रबंधक)

श्री बीरेन्द्र कुमार
(मुख्य प्रबंधक)

श्री उमेश कुमार
(मुख्य प्रबंधक)

श्री अविनाश कुमार झा
(मुख्य प्रबंधक)

परामर्शदाता

श्री ललित नगानी
(वरिष्ठ प्रबंधक)

श्री प्रमोद सिंह
(वरिष्ठ प्रबंधक)

संपादक

रंजना चौधरी
प्रबंधक – राजभाषा

संपर्क राजभाषा विभाग
मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय
मेल :
hindimsro@centralbank.co.in

1.	हिन्दी दिवस पर मानानीय गृह मंत्री का संदेश	03
2.	हिन्दी दिवस पर माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश	07
3.	हिन्दी दिवस पर माननीय अंचल प्रमुख का संदेश	08
4.	माननीय क्षेत्रीय प्रमुख का संदेश	09
5.	माननीय मुख्य प्रबंधक का संदेश	11
6.	मुंउक्षेका के अंतर्गत आनेवाली शाखाओं में सर सोराबजी पोचखानावला जी की 141वीं जयंती	12
7.	क्रेडिट कैम्प	13
8.	सोशल मीडिया एवं बैंकिंग	15
9.	हिन्दी दिवस पर कविता	23
10.	रसोई घर से	24
11.	अन्य कार्यक्रम	26
12.	वृक्षारोपण कार्यक्रम	27
13.	कर्तव्येन कर्ताभि रक्षयते	28
14.	मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय – एक नजर	39
15.	पोस्टर	40

पत्रिका में लिखी गई रचनाओं में व्यक्त विचार स्वयं लेखक के हैं, संपादक मंडल का उससे सहमत होना आवश्यक नहीं है

हिंदी दिवस 2022
के अवसर पर
माननीय गृह मंत्री जी
का संदेश
राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो !

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

हमारा देश सांस्कृतिक और भाषाई दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। देश की भाषाई संपन्नता को ध्यान में रखते हुए संविधान निर्माताओं ने भारत के संविधान में भाषाओं के लिए अलग से आठवीं अनुसूची का प्रावधान किया जिसमें प्रारंभ में 14 भाषाएं रखी गयी थीं और अब इस अनुसूची में कुल 22 भाषाएं सम्मिलित हैं। भारत की सभी भाषाएं महत्वपूर्ण हैं और अपना समृद्ध इतिहास भी रखती हैं। विभिन्न भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए हिंदी ने जनमानस के मन में विशेष स्थान प्राप्त किया है। यही कारण है कि आज़ादी के आंदोलन में अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को संपर्क भाषा बनाकर आंदोलन को गति प्रदान की। 'स्वराज' प्राप्ति के हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में स्वभाषा का आन्दोलन निहित था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी की महती भूमिका को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा हिंदी और देवनागरी लिपि को अपनाया। संविधान के अनुच्छेद 351 में हिंदी भाषा के विकास के लिए निदेश दिए गए हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणादायक नेतृत्व में आज जब पूरा देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और प्रत्येक क्षेत्र में हम नई ऊर्जा के साथ नये संकल्प ले रहे हैं, ऐसे में यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि राजभाषा हिंदी को लेकर संविधान द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जाए।

किसी लोकतांत्रिक देश में सरकारी कामकाज की भाषा तभी सार्थक भूमिका अदा कर सकती है जब वह देश के जन सामान्य से जुड़ी हो और प्रयोग करने में आसान हो, ज्यादा से ज्यादा लोग उसे समझते हों और जनसामान्य में लोकप्रिय हो। हिंदी की इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए 14 सितंबर 1949 के दिन हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। इसके साथ ही राजभाषा हिंदी में आवश्यकता के अनुसार शब्दावली निर्माण, वर्तनी के मानकीकरण किए गए और सरकारी कार्यालयों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन की नीति अपनाई गई। राजभाषा की इस विकास यात्रा में हमने कई लक्ष्य प्राप्त किए हैं लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। विगत तीन वर्षों से प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकारी काम–काज में हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक करने के लिए गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयासरत है जिससे विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में हिंदी का काम–काज तेजी से बढ़ा है। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि वर्तमान में गृह मंत्रालय में ज्यादातर कार्य हिंदी में किया जाता है तथा कई अन्य मंत्रालयों में माननीय मंत्री भी अपना अधिकांश कार्य राजभाषा हिंदी में करते हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन की गति तीव्र करने और समय समय पर किए गए कार्यों की समीक्षा हेतु मई, 2019 में नई सरकार के गठन के पश्चात 57 मंत्रालयों में से 53 में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया है तथा निरंतर बैठकें आयोजित की जा रही हैं। देश भर में विभिन्न शहरों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दृष्टि से अब तक कुल 527 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जा चुका है। विदेशों में लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई और पोर्ट लुई में भी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है। राजभाषा कार्यान्वयन को और मजबूत करने की दिशा में संसदीय राजभाषा समिति अपनी सिफारिशों के दस खंड माननीय राष्ट्रपति जी को

प्रस्तुत कर चुकी है तथा 11 वां खंड शीघ्र ही सौंपा जा रहा है।

राजभाषा विभाग द्वारा 13–14 नवंबर, 2021 को बनारस में पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन तथा नई दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा संवर्ग के अधिकारियों के लिए पहला तकनीकी सम्मेलन आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों से हिंदी प्रेमियों के उत्साह में अपार वृद्धि हुई है। यह और भी सुखद है कि हिंदी दिवस–2022 तथा द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का ऐतिहासिक आयोजन गुजरात के सूरत शहर में हो रहा है।

गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में निरंतर प्रयत्नशील है। राजभाषा विभाग ने स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली 'कंठस्थ' का निर्माण और विकास किया है जिसमें आज लगभग 22 लाख वाक्य शामिल किए जा चुके हैं। इस टूल का प्रयोग सुनिश्चित कर सरकारी कार्यालयों में अनुवाद की गति एवं गुणवत्ता बढ़ाई गई है। राजभाषा विभाग द्वारा जन–साधारण के लिए **"लीला हिंदी प्रवाह"** मोबाइल ऐप तैयार किया गया है जिसे अपनाकर 14 विभिन्न भाषा–भाषी अपनी–अपनी मातृभाषाओं से निःशुल्क हिंदी सीख सकते हैं। राजभाषा विभाग के 'ई–महाशब्दकोश' में 90 हजार शब्द सम्मिलित किए गए हैं और 'ई–सरल' हिंदी वाक्यकोश में 9 हजार वाक्य शामिल हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश को नई शिक्षा नीति मिली जिसमें मातृभाषा में शिक्षा देने को प्राथमिकता दी जा रही है। राजभाषा विभाग ने अमृत महोत्सव के अवसर पर विधि, तकनीकी, स्वास्थ्य, पत्रकारिता तथा व्यवसाय आदि सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं के प्रचलित शब्दों को शामिल करते हुए हिंदी से हिंदी **"बृहत शब्दकोश"** के निर्माण पर भी काम शुरु किया है और सुलभ संदर्भ के लिए एक अच्छे शब्दकोश का सृजन किया जा रहा है। इस तरह की उन्नत शब्दावली प्रशिक्षण, अनुवाद तथा शीघ्रता से ग्रहण करने में भाषा की जानकारी की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगी।

हजारों वर्षों से भारतीय सभ्यता की अविरल धारा हमारी भाषाओं, संस्कृति और लोकजीवन में सुरक्षित रही है। भारत में स्थानीय भाषाओं का योगदान हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए अतुलनीय रहा है। इन भाषाओं ने हिंदी को समृद्ध किया है। हिंदी उन समस्त भारतीय भाषाओं की मूल परंपरा से है जो इस देश की मिट्टी से उपजी हैं, यहीं पुष्पित पल्लवित हुई हैं और जिन्होंने अपनी शब्द–संपदा, भाव संपदा, रूप, शैली और अपने पदों से हिंदी को लगातार समृद्ध किया है। **राजभाषा हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि उसकी सखी है और हमारी सभी भाषाओं का विकास एक दूसरे के परस्पर सहयोग से ही संभव है।**

प्रिय देशवासियो ! हिंदी दिवस के इस अवसर पर मैं आप सभी का आह्वान करता हूँ कि आप और हम मिलकर यह संकल्प लें कि अपनी भाषाओं पर गर्व की अनुभूति करेंगे। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश–विदेश के मंचों पर हिंदी में उद्बोधन देते हैं जिससे सभी हिंदी प्रेमियों में उत्साह का संचार होता है। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रतिभाशाली नेतृत्व में आने वाले 25 वर्षों को देश में अमृतकाल के रूप में मनाया जा रहा है। ऐसे में भाषाई समरसता को ध्यान में रखते हुए हिंदी तथा हमारी सभी भारतीय भाषाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है।

आइये, आज संकल्प लें कि अपने दैनिक कार्यों में, कार्यालय के कामकाज में अधिक से अधिक काम हिंदी तथा स्थानीय भाषाओं में करके दूसरों के लिए भी अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तथा संवैधानिक दायित्वों की पूर्ति करेंगे।

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को पुनः मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिंद!

नई दिल्ली

14 सितंबर, 2022

(अमित शाह)

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदय का हिन्दी दिवस संदेश

एम वी राव
व्यवस्थापकीय संचालक आणि सीइओ
एम वी राव
प्रबंध निदेशक एवं सीइओ
M V Rao
Managing Director & CEO

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

हिन्दी दिवस संदेश

प्रिय सेन्ट्रलाइट साथियो,

सर्वप्रथम हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं,

स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव पूर्ण कर चुका भारत, अब त्वरित गति से सर्वांगीण प्रगति कर रहा है. विश्वभर में भारत की पहचान एक महत्वपूर्ण अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्थापित हो रही है. जिसके फलस्वरूप भारतीय संस्कृति और भाषा भी विश्व के कोने – कोने में पहुंचने लगी है.

भारत एक बहुभाषिक विविधतापूर्ण देश है, यहां की अनेक समृद्ध भाषाओं के पास प्रचुर मात्रा में उत्कृष्ट साहित्य उपलब्ध है. इन सबके मध्य हिन्दी भारत गणराज्य की राजभाषा है. भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिन्दी को भारत संघ की राजभाषा घोषित किया था, इसलिये प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को पूरे देश में हिन्दी दिवस का आयोजन किया जाता है.

हम सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया में इस वर्ष 14 सितम्बर 2022 से 14 अक्तूबर 2022 तक हिन्दी माह मना रहे हैं. हिन्दी माह के दौरान सभी सदस्य अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करें. अधिकारियों को हिन्दी में टिप्पणियां लिखनी चाहिए, कार्यालयों में हिन्दी पत्राचार बढाया जाना चाहिए इसके साथ-साथ आंतरिक कार्यों में भी हिन्दी का प्रयोग बढाया जाना चाहिए.

हिन्दी सर्वग्राह्य भाषा है, सरल है, सुबोध है. हिन्दी कम या अधिक पूरे देश में बोली और समझी जाती है. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया एक व्यवसायिक बैंक है. हम नागरिकों के जितने समीप पहुंचेगें उतना ही हमारे व्यवसाय का हित होगा. ग्राहकों से जुडने के लिये हिन्दी सर्वोत्तम माध्यम है. हिन्दी के माध्यम से हम देश की अधिसंख्य जनसंख्या तक सरलता से पहुंच सकते हैं. हमारे सभी कार्मिकों को अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करना चाहिए. साथ ही अपने सम्माननीय ग्राहकों को भी हिन्दी में कार्य करने हेतु प्रेरित करना चाहिए.

हिन्दी दिवस के अवसर पर, आइए हम अधिक से अधिक कार्य राजभाषा हिन्दी में करने का संकल्प लें.

जय हिन्द, जय भारत

एम वी राव

(एम.वी.राव)

चंदर मुखी, नरीमन पॉईंट, मुंबई - ४०० ०२१. चन्दर मुखी, नरीमन पॉइंट, मुंबई - ४०० ०२१.
Chander Mukhi, Nariman Point, Mumbai - 400 021
☎ 2202 4393 / 2202 3942 (022) 2202 8122 mdceo@centralbank.co.in
www.centralbankofindia.co.in

माननीय अंचल प्रमुख महोदय का हिन्दी दिवस संदेश

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
सेण्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India

मुम्बई महानगर आंचलिक कार्यालय
Mumbai Metropolitan Zonal Office

हिंदी दिवस के सुअवसर पर अंचल प्रमुख का संदेश

भाषाई महापर्व '**हिंदी दिवस**' की हार्दिक शुभकामनाएं !

हम सभी जानते हैं कि हमारे देश के जन-जन की भाषा हिंदी है. देश के अधिकाशं भागों में सबसे ज्यादा समझी और बोली जाने वाली भाषा हिंदी है. विश्व की तमाम भाषाओं को लिखने एवं उच्चारित करने की क्षमता रखने वाली भाषा हिंदी है. इस तरह की तमाम विशेषताओं को धारण करने वाली भाषा हिंदी का महापर्व 'हिंदी दिवस' है.

यह सर्वमान्य तथ्य है कि हमारे देश में अनेक बोलियां हैं, अनेक भाषाएं हैं और ये सभी हमारे देश की धरोहर हैं. हम भारतीयों को इन सभी भाषाओं पर गर्व है. इन सभी बोलियों और भाषाओं को साथ लेकर चलने वाली प्रमुख भाषा '**हिंदी**' का उपयोग हम सभी को बड़े ही गौरव और स्वाभिमान के साथ करना चाहिए. हमारा देश आज प्रगति पथ पर सतत आगे बढ़ रहा है. इसलिए यह स्वाभाविक है कि हमारे देश की भाषा की स्वीकार्यता भी उसी अनुपात में बढ़ रही है. यही कारण है कि विश्व के अनेक विकसित और विकासशील देशों के विश्वविद्यालयों में हिंदी की कक्षाएं चल रही हैं और इनमें बड़ी संख्या में विदेशी, हमारी भाषा हिंदी को बड़ी लगन से सीख रहे हैं.

मेरा आप सभी से आग्रह है कि 'हिंदी दिवस' के इस पावन अवसर पर हम यह संकल्प लें कि हम सभी भारतीय एक साथ मिलकर, अपने दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे. इसके प्रचार-प्रसार में सक्रिय एवं सृजनात्मक सहयोग देंगे और हमारी इस महाभाषा को उस सम्मानजनक स्थान प्रदान करेंगे, जिसकी कि यह हक़दार है. हमारी इस भाषा का प्रयोग करना, हम सबका संवैधानिक दायित्व के साथ-साथ नैतिक दायित्व भी है.

आइए, 'हिंदी दिवस' के पावन दिवस पर हम सभी इसका अधिकाधिक प्रयोग करने का संकल्प लें और देश की प्रगति एवं एकता में अपना हाथ बटाएं.

एक बार फिर से मैं 'हिंदी दिवस' के पावन अवसर पर आप सब को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं.

सस्नेह,

सतीश अग्रवाल
अंचल प्रमुख

३४६, स्टॅन्डर्ड बिल्डींग, डॉ. डी. एन. रोड, फोर्ट, मुंबई - ४०० ००१
346, स्टैन्डर्ड बिल्डिंग, डॉ. डी. एन. रोड, फोर्ट, मुम्बई - 400 001
346, Standard Bldg., Dr. D.N. Road, Fort, Mumbai - 400 001

दूरध्वनी : ४०३४ ५८५८
दूरभाष : 4034 5858
Phone : 4034 5858

फॅक्स : ४०३४ ५८१९
फैक्स : 4034 5819
Fax : 4034 5819

...ntralbankofindia.co.in

क्षेत्रीय प्रमुख महोदय का संदेश

प्रिय सेन्ट्रलाइट सथियो,

सर्वप्रथम मैं आप सभी को आपकी कड़ी मेहनत, बैंक की लाभप्रदता बढ़ानेएवं एनपीए को कम करने एवं अपने बैंक को पीसीए से बाहर लाने की कटिबद्धता के लिए बहुत बहुत बधाई प्रेषित करता हूं. यह आप सभी की मेहनत का ही प्रतिफल है कि हमारा बैंक पांच वर्षों के पश्चात पीसीए से बाहर आया है. इसके लिए पुन: बधाई..

इसी के साथ आप सभी को आने वाले दीपोत्सव की अनेकानेक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं. आप सभी के जीवन में खुशियों के दीप निरंतर जलते रहें. आप सभी को अपने परिवार के साथ जीवन के हर मोड़ पर खुशियां ही खुशियां प्राप्त हों, मेरी ओर से आप सभी को यही शुभकामनाएं हैं.

आजकल संप्रेषण के बहुत सारे माध्यम हमारे सामने उपलब्ध हैं. तकनीक के विकास के साथ-साथ संप्रेषणों के माध्यमों में भी परिवर्तन हुआ है. त्वरित एवं सटीक संप्रेषण वर्तमान समय की अतिआवश्यक मांग है, जिसे कई माध्यमों से पूरा किया भी रहा है. इन सबके होते हुए भी एक पत्रिका के माध्यम से संप्रेषण का अलग ही महत्व है. इसके माध्यम से होने वाले संप्रेषण की कोई सीमा एवं निश्चित समय नहीं है. वर्षों पश्चात भी यह संप्रेषण यथावत रहता है. आज पुन: हमारी क्षेत्र की ई-पत्रिका **"सेन्ट कान्हेरी"** के माध्यम से आप सभी से जुड़ रहा हूं, और मुझे इस अवसर की प्रतीक्षा भी रहती है.

साथियों, यदि मैं अपने क्षेत्र के व्यवसाय की बात करूं तो यद्यपि हमने कई क्षेत्रों में बेहतर कार्य किया है तथापि हमें अभी और केन्द्रित होकर कार्य करने की आवश्यकता है तथा एमएसएमई फाइनेन्स एवं एनपीए घटाने पर ध्यान क्रेंद्रित करना है. यह बताने की कतई आवश्यकता नहीं है कि बैंकिंग क्षेत्र में तेज गति से बदलाव हो रहा है एवं बदलाव के साथ साथ हमारी प्रतिस्पर्धा में भी वृद्धि हो रही है. इस प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में अपने अस्तित्व को बनाए रखना हम सभी

के समक्ष बहुत बड़ी चुनौती है. इसके लिए अत्यंत आवश्यक है हमारी ग्राहक सेवा. जिसके लिए हम सभी को एकजुट होकर टीम भावना से कार्य करना है. जिस प्रकार बूंद-बूंद से घडा भरता है उसी प्रकार हम सबके सम्मिलित छोटे- छोटे प्रयासों से हम अपने निर्धारित लक्ष्यों को निश्चित रूप से प्राप्त कर लेंगे.

किसी ने खूब कहा है – “**मीलों की यात्रा एक कदम के साथ ही प्रारंभ होती है.**

हमारा बैंक अब पीसीए के बंधनों से मुक्त हो गया है, एवं अब हमें पूर्ण समर्पण की भावना से एकजुट होकर कार्य करना है ताकि हम अपने क्षेत्र के साथ साथ अपने बैंक को भी सफलता की असीम ऊंचाईयों तक ले जाएं, जो हमारे बैंक का इतिहास भी रहा है.

तो आइए ..... एकजुट होकर बैंक की लाभप्रदता एवं अखंडता के लिए कार्य करें..

शुभकामनाओं सहित,

जय शंकर प्रसाद

मुख्य प्रबंधक महोदय का संदेश

प्रिय सेन्ट्रलाइट साथियों,

मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय की "सेन्ट कान्हेरी" ई-पत्रिका, सितम्बर-2022 का अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है. सर्वप्रथम मैं राजभाषा पत्रिका "सेन्ट कान्हेरी" के माध्यम से आप सभी को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ. इस सितम्बर-2022 के तिमाही में हमारे बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पीसीए से मुक्त किया गया है, इसके लिए भी आप सभी बधाई के पात्र हैं.

साथियों, अपने आजादी के 75 वर्ष हम पूरे होने के उपलक्ष्य में हम सभी इस वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे है. जिसके अंतर्गत हर घर तिरंगा का अभियान भी चलाया है. हम सभी भारतीय, अपने आजाद देश के प्रगति पर गौरांवित है. बैंकिंग क्षेत्र में हम भी पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अच्छा कार्य कर रहे हैं. हमारे बैंक द्वारा नई योजनाएँ प्रारंभ की गई है. हमें अपने बैंक के लिए अच्छा परिणाम हासिल करना है, व्यवसाय में वृद्धि लाना है. हमें अभी दो तिमाहियों अर्थात दिसम्बर 22 तथा मार्च 23 तिमाही में अधिक कार्यक्षमता से कार्य कर, अपने बैंक को लाभान्वित कराना है.

समय की मांग को देखते हुए ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग हेतु प्रोत्साहित करना है. तृतीय पक्ष व्यवसाय के अंतर्गत जीवनबीमा पालिसियाँ अधिक संख्या में कराना है. हमें निरंतर नए बैंकिंग परिवेश स्थापित करने हेतु प्रयासरत रहना चाहिए. मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सभी अपने प्रयासों में अवश्य सफल होंगे.

अपने मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय की तिमाही ई-पत्रिका "सेन्ट कान्हेरी" का नियमित प्रकाशन किया जा रहा है. अत: आप सभी से अनुरोध है कि पत्रिका हेतु आप अपने लेख एवं रचनाएँ अवश्य प्रेषित करें.

शुभकामनाओं सहित,

(सत्येन्द्र सिंह)

दिनांक 09.08.2022 को मुंउक्षेका के अंतर्गत आनेवाली शाखाओं में सर सोराबजी पोचखानावला जी की 141वीं जयंती मनाई गई.

क्रेडिट कैम्प

दिनांक 30.08.2022 को मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय में महाप्रबंधक श्री शीशराम टुंडवाल जी अध्यक्षता में क्रेडिट कैम्प का आयोजन किया गया.

सोशल मीडिया एवं बैंकिंग

सोशल मीडिया को सोशल मीडिया सर्विस के नाम से भी जाना जाता है. इसका मतलब है की इंटरनेट के प्रयोग के माध्यम से अपने दोस्तों और रिश्तेदरों के साथ जुड़ना. जहाँ आप एक दूसरे के साथ मित्रता, संबंधों, शिक्षा,रुचियों का आदान प्रदान करते हैं. इससे हम देश विदेश में घट रही घटनाओं के विषय में जान सकते हैं.

सोशल मीडिया का उपयोग आम तौर पर सामाजिक संपर्क और समाचार और सूचना तक पहुँच तथा निर्णय लेने के लिए किया जाता है. यह स्थानीय और दुनिया भर में अन्य लोगों के साथ एक बहुमूल्य संचार का माध्यम एवं उपकरण है. साथ ही, जानकारी साझा करने, बनाए और फैलाने के लिए भी अत्यंत सरल एवं लाभप्रद माध्यम है.

सोशल मीडिया में मुख्यत: फेसबुक, ट्विटर , व्हाटसएप, यूट्यूब, इन्स्टाग्राम, स्नेपचैट जैसी कई सोशल वेबसाइट के नाम शामिल है. ये सभी वेबसाइट मिलकर इन्टरनेट के जमाने में सोशल मीडिया बनाती है. आज सोशल मीडिया एक ऐसा साधन बन गया है जहां आम आदमी भी अपनी दिल की बात को दुनिया के सामने रख सकता है और इसके लिए उसे कोई मेहनत भी नहीं करनी पड़ती है. इसके जरिए न केवल संप्रेषण क्षेत्र में क्रांति आयी है, बल्कि

व्यवसायिक और विज्ञापन जगत में भी जबरदस्त परिवर्तन हुआ है. यही नहीं, सूचनाओं के आदान- प्रदान में भी तेजी आई है. सोशल मीडिया की महत्ता को देखते हुए 30 जून, 2010 को वर्ल्ड सोशल मीडिया डे की शुरुआत हुई.

सोशल मीडिया जहाँ हमारी जिंदगी से जुड़कर हमारे जीवन को प्रभावित कर रहा है तो इसके लिए कहीं कहीं प्रतिकूल प्रभाव भी देखने में आ रहे हैं. बहुत अधिक सोशल मीडिया का प्रयोग युवाओं को डिप्रेशन की तरफ ले जा रहा है, कितने शेयर, कितने लाइस्क की चिंता युवाओं को मानसिक रूप से प्रभावित करती है. ऑनलाइन ट्रोलिंग भी आजकल एक आम बात हो गई है. ट्रोलिंग के चलते कितने युवा डिप्रेशन और तनाव के शिकार हो रहे हैं.

सोशल मीडिया हमारे समाज की विचारधारा को भी प्रभावित करती है. मीडिया को प्रेरक की भूमिका में भी उपस्थित होना चाहिए जिससे समाज एवं सरकार को प्रेरणा व मार्गदर्शन प्राप्त हो. मीडिया समाज के विभिन्न वर्गों के हितों का रक्षक भी होता है. वह समाज की नीति, परंपराओं, मान्यताओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति के प्रहरी के रूप में भी भूमिका निभाता है.

आज फेसबुक, ट्विटर, व्हाटसएप पर अंग्रेजी में लिखे गए पोस्ट या टिप्पणियों की भीड में हिन्दी में लिखी गई पोस्ट या टिप्पणियाँ प्रयोगकर्ताओं को ज्यादा आकर्षित करती है. सोशल मीडिया में हिन्दी भाषा का वर्चस्व का प्रमुख कारण यह है कि हिन्दी भाषा अभिव्यक्ति का सशक्त एवं वैज्ञानिक माध्यम है.

सामाजिक नेटवर्किंग साइट्स (Social Networking sites) आज के इंटरनेट का एक अभिन्न अंग है जो दुनिया में एक अरब से अधिक लोगों द्वारा उपयोग किया जाता है. यह एक ऑनलाइन मंच है जो उपयोगकर्ता को एक सार्वजनिक प्रोफाइल बनाने एवं वेबसाइट पर अन्य उपयोगकर्ताओं के साथ सहभागिता करने की अनुमति देता है.

सोशल मीडिया एवं बैंकिंग :- वर्तमान समय सोशल मीडिया का है. हम तेजी से डिजिटल दुनिया की ओर बढ रहे हैं. युवा पीढी द्वारा इंटरनेट, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि का उपयोग तेजी से किया जा रहा है. आज के समय में इंटरनेट का उपयोग लगभग सभी क्षेत्र में किया जाता है. इंटरनेट सोशल मीडिया में मार्केटिंग़ का एक अच्छा जरिया बन गया है जो चंद सेकेन्ड में लाखों लोगों तक पहुँच जाता है. सोशल मीडिया समाज के सामाजिक विकास में अपना योगदान देता है और कई व्यवसायों को बढ़ाने में भी मदद करता है. यह सोशल मीडिया मार्केटिंग जैसे साधन प्रदान करता है जो लाखों सशक्त ग्राहकों तक पहुँचाता है. हम आसानी से सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. सोशल मीडिया एक ऐसा मीडिया है, जो बाकी सारे मीडिया से अलग है. सोशल मीडिया इंटरनेट के माध्यम से एक वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है जिसे उपयोग करने वाला व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी प्लेटफार्म आदि का उपयोग कर अपनी पहुँच बना सकता है. आज के दौर में सोशल मीडिया जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है जिसके बहुत सारे फीचर है, जिसमें सूचनाएँ प्रदान करना, मनोरंजन करना और शिक्षित कराना मुख्य रुप से शामिल है. सोशल मीडिया एक विशाल नेटवर्क है , जो सारे संसार को जोडे रखता है. सोशल मीडिया संचार का एक बहुत अच्छा माध्यम है. यह तीव्र गति से सूचनाओं के आदान-प्रदान करने सक्षम है. सोशल मीडिया सकारात्मक भूमिका अदा करता है जिससे किसी भी व्यक्ति को, संस्था, समूह और देश आदि को आर्थिक , सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से समृद्ध बनाया जा सकता है. सोशल मीडिया के जरिए ऐसे कई विकासात्मक कार्य हुए हैं जिनसे लोकतंत्र को समृद्ध बनाने का काम हुआ है जिससे किसी भी देश की एकता, अखंडता, पंथनिरपेक्षता, सामाजवादीगुणों में अभिवृद्धि हुई है.

लोकप्रियता के प्रसार में सोशल मीडिया एक बेहतरीन प्लेटफार्म है. जहाँ व्यक्ति स्वंय को अथबा अपने किसी उत्पाद को ज्यादा लोकप्रिय बना सकता है. जिसमें फेसबुक, व्हाटसप, इंस्टाग्राम कुछ प्रमुख प्लेटफार्म है. सोशल मीडिया सभी जानकारी को एक ही जगह इकट्ठा करता है सरलता से प्रदान करता है. सोशल मीडिया द्वारा आप कोई भी जानकरी प्राप्त कर सकते हैं. इंटरनेट ने त्वरित मेसेजिंग, इंटरनेट फोरम और सोशल नेटवर्किंग के माध्यम से व्यक्तिगत बातचीत के नए रुपों को सक्षम और त्वरित किया है.

इस बदलते परिप्रेक्ष्य में बैंक भी इससे अछूते नहीं हैं. सोशल मीडिया के माध्यम से बैंक भी अपने उत्पाद का प्रचार प्रसार करने में आगे आ गये हैं. ग्राहक को आकर्षित करने हेतु बैंक भी नई-नई तकनीक अपना कर ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं एवं डिजिटल सेवाएं प्रदान कर रहे है. जैसे - ऑनलाइन बैंकिंग, एटीएम, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि प्रमुख सेवाएँ बैंक डिजिटली प्रदान कर रही है. ग्राहक 24*7 किसी भी बैंक शाखा में जाए बिना बैंकिंग सेवा का उपयोग कर सकते हैं. डिजिटल बैंकिंग का उपयोग ग्राहक अपने लैपटॉप, टैबलेट या मोबाईल फोन के जरिए कर सकते हैं. इसमें बैंकों के बीच भी प्रतिस्पर्धा हो रही है. आज के युवाओं के पास इतना वक्त नहीं है कि वह कहीं लाइन लगाकर अपना काम कर सकें. आज के युवा चाहते हैं कि उनका काम तुरंत हो. सोशल मीडिया के कारण युवाओं के काम घर बैठकर ही हो जाते हैं. इस डिजिटल बैंकिंग से ग्राहक उन सभी सुविधाओं का लाभ घर बैठे ले सकते हैं जो उन्हें बैंक की शाखा में जाकर मिलती थी. डिजिटल बैंकिंग का मतलब है तकनीक की मदद से बैंक सेवाओं एवं उत्पादों को ग्राहकों तक पहुँचाना. खाता खोलने से लेकर लेनदेन करने तक में तकनीक का इस्तेमाल डिजिटल बैंकिंग कहलाता है तथा डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाना डिजिटल बैंकिंग कहलाता है. भारत सरकार की अनेक योजनाएँ जैसे – मनरेगा, पीएम किसान योजना आदि अपनी ट्रांजेक्शन फाइलें इन इंटरफेसों के जरिए बैंकों के सर्वर पर भेजते हैं और इंटेलिजेंट सॉफ्टवेयर इन्हें बिना किसी व्यक्ति की मदद से प्रोसेस कर लाखों भारतीयों के खाते में धन प्रेषित कर देते हैं. डिलीवरी चैनल में वेब सर्विस, मोबाइल एप एवं अनेक सिक्योरिटी से जुडी तकनीक का इस्तेमाल किया है. इनकी मदद से बैंकिंग सेवा 24X7 ग्राहकों के पास पहुँचाती है. कियोस्क मशीन का भी उपयोग ग्राहक कर रहे हैं.

सोशल मीडिया के कारण बैंकों में भी काफी बदलाव आया है. बैंकों में डिजिटलीकरण हो गया है. इस डिजिटल बैंकिंग सुविधा ने काफी कुछ आसान कर दिया है. बैंक द्वारा दिए गए

डिजिटल कार्ड यानि क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग तथा मोबाईल बैंकिंग के माध्यम से डिजिटल तरीके से पैसों का लेनदेन करना सुविधाजनक हो गया है. पहले जहाँ हम बैंकों में पैसे निकालने के लिए या जमा करने हेतु घंटों कतार में खड़े रहकर प्रतीक्षा करते थे आजकल एटीएम कार्ड के जरिए हम आसानी से पैसे निकाल सकते हैं तथा मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से किसी को भी पैसे ट्रांसफर भी कर सकते हैं, पहले बैंक अवकाश में हम अपना बैंक का काम कर नहीं पाते थे परंतु अब हम बैंक अवकाश के समय में भी लेनदेन कर सकते हैं. हम ऑनलाइन शॉपिंग भी कर सकते है. हम कुछ भी खरीद सकते है. ऑनलाइन खरीद पर कभी कभी डिसकाउंट भी मिल जाता है. जिससे फायदा भी होता है. यह सब हम अपने मोबाइल या लैपटॉप के जरिए कर सकते है. डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से यानि इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा का उपयोग कर ग्राहक बैंक में अपना खाता खोल सकते है, ऋण हेतु आवेदन कर सकते हैं.

मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से अपने खाते की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, खाते का विवरण देख सकते हैं. अपने लेनदेन की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. विभिन्न प्रकार के फार्म तथा आवेदन फार्म भी डाउनलोड कर सकते हैं. मोबाइल बैंकिंग से हम अपने बिलों का भुगतान भी करते हैं. पहले हमें बिल जमा करने हेतु लंबी कतार में जाकर खड़ा होना पड़ता था लेकिन मोबाईल बैंकिंग के जरिए अब यह सब आसान हो गया है, ग्राहक घर बैठे ही मोबाईल बैंकिंग द्वारा बिलों का भुगतान कर सकता है. एटीएम कार्ड यानि क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का उपयोग वह कहीं भी कर सकता है. कहीं भी राशि निकाल सकता है. उसे समय का बंधन नहीं रहेगा. सोशल मीडिया द्वारा हुए डिजिटलीकरण से काफी कुछ आसान कर दिया है. अब ग्राहकों को लंबी कतारों में खड़ा नही होना होगा. सभी जानकारी स्वयं के मोबाइल में एप द्वारा मिल जायेगी. जिस काम को करने में ग्राहक को बैंक में कई घंटे लग जाते थे अब वह घर में बैठकर ऑनलाइन बैंकिंग सुविधा द्वारा कुछ ही मिनटों में कर सकता है. मोबाईल द्वारा ग्राहक अपने यात्रा हेतु टिकट बुक सकता है, व्यापार में भी निवेश कर सकता है, मेडिकल पैकेज भी ऑनलाइन ले सकता है. दूसरे शहर जा कर भी बिना पैसे दिए डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड द्वारा ऑनलाइन से कोई भी चीज खरीद सकता है. उसे अपने आप भौतिक रूप से नकद रखने की आवश्यकता नहीं है. जिससे उसे नकद रखने की समस्या से छुटकारा मिल गया है तथा साथ ही साथ उसकी नकदी चोरी होने का खतरा भी नहीं होगा. दरअसल एटीएम पर प्रदान की गई कुछ जानकारी से ही हमारे अकाउंट की पहचान होती है और हमारे अकाउंट से लेनदेन करना आसान होता है. अगर ग्राहक को इंटरनेट बैंकिंग के बारे में कोई भी सहायता चाहिए तो ग्राहक, बैंक के कस्टमर केयर नंबर पर कॉल कर सकते हैं. आज के दौर में बैंक में

ग्राहकों हेतु अधिकाधिक सेवा डिजिटल माध्यम से उपलब्ध है. एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग और मोबाईल बैंकिंग फोन बैंकिंग, ई-कॉर्नर सेल्फ सर्विस किओक्स, कैश रिसायकलर इत्यादि डिजिटल बैंकिंग के माध्यम है. जिससे ग्राहकों द्वारा किया गया लेनदेन तुरंत तथा सुरक्षित होता है.

डिजिटल बैंकिंग की सुविधाओं से हमारा समय भी बचता है. आज कल हर कोई डिजिटल के माध्यम से ही अपना काम करना चाहता है. जिससे उसका समय भी बचे और उर्जा भी बचे. डिजिटल बैंकिंग द्वारा ग्राहक कहीं भी और कभी भी बैंकिंग सुविधा का उपयोग कर सकते हैं. बैंकों में डिजिटल माध्यम से इंटरनेट बैंकिंग द्वारा कई लेनदेन किए जा सकते हैं जैसे – अपने खाते में नकदी जमा करना, अपने खाते से नकदी निकालना, किसी और के खाते में राशि अंतरण करना, चेक जमा करना, खाता खोलना, ऋण आवेदन करना आदि. इंटरनेट बैंकिंग यह बैंक के साइट पर जा कर की जाती है. जिससे ग्राहक सीधे बैंक से कनेक्ट होता है.

तकनीक या प्रौद्योगिकी की सहायता या माध्यम से बैंक को ग्राहकों तक पहुँचाना डिजिटल बैंकिंग कहलाता है. तकनीक के माध्यम से आप हमेशा अपने बैंक से जुडे रहते हैं और आप तकनीक की मदद से कभी भी उस की सेवाओं का फायदा उठा सकते हैं. डिजिटल इंडिया जोकि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी का सपना और आवाहन भी है. डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया ने अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. इस डिजिटल बैंकिंग द्वारा बैंक ग्राहक को बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान कर सकते हैं, नगदी रहित लेन देन में बढ़ोत्तरी होती है. एटीएम के उपयोग में वृद्धि होती है, ग्राहक इस बात से आश्वस्त रहता है कि वो कभी भी और कहीं भी पैसों का लेनदेन कर सकता है. ग्राहक घर बैठे ही खाता खोल सकते है तथा खाते का रखरखाव देखना आसान होता है. उत्पादकता में वृद्धि होती है, आज हमारे बैंक द्वारा कई सेवाएँ ग्राहकों को प्रदाय की जाती हैं जैसे सेन्ट मोबाईल, सेंट यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग, सेन्ट मोबाईल, एटीएम,सेन्ट स्मार्ट पे. यह सभी सुविधाएँ के साथ साथ और भी कई ऑनलाइन सेवाएँ भी है. आरटीजीएस तथा एनईएफटी करना भी अब आसान हो गया है. ग्राहक इंटरनेट एवं मोबाइल के जरिए संपूर्ण बैंकिंग अपने घर या अपने ऑफिस किसी भी स्थान से कर सकता है. बैंकों द्वारा ग्राहकों को निम्नलिखित ऑनलाइन बैंकिंग या वैकल्पिक भुगतान प्रणाली उपलब्ध करायी जा रही हैं.

एटीएम : एटीएम यानि ऑटोमेटेड टेलर मशीन जिससे नगद भुगतान के अलावा बैलेंस जानकारी, चेक बुक आदेश, निधि अंतरण आदि किया जा सकता है. एटीएम मशीन से ग्राहकों को अनेक सुविधाएँ प्राप्त हुई है. उन्हें नकद निकालने हेतु शाखा की लंबी कतार से मुक्ति मिल गई. अन्य बैंकों के ग्राहकों द्वारा हमारे एटीएम के अधिक से अधिक इस्तेमाल करने पर लेनदेन प्रभार के तौर पर बैंक को अतिरिक्त आय प्राप्त होती है.

इंटरनेट बैंकिंग : इंटरनेट बैंकिंग से ग्राहक कहीं से भी किसी भी दिन, किसी भी वक्त निधि अंतरण कर सकते हैं. उन्हे इसके लिए शाखा में जाने की आवश्यकता नहीं है. इंटरनेट बैंकिंग यानि ऑनलाइन बैंकिंग से ग्राहक निधि अंतरण, आरटीजीएस, एनईएफटी, खाता खोलना, ऋण आवेदन फार्म भरना, सावधि जमा खाता खोलना अथवा बंद करना , युटिलिटी बिल पेमेंट करना, ई-फाईलिंग करना इत्यादि सभी सुविधाएँ का लाभ उठा सकता है.

मोबाईल बैंकिंग : मोबाईल बैंकिंग में भी इंटरनेट बैंकिंग जैसी सभी सुविधाएँ उपलब्ध है. मोबाईल बैंकिंग में डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड कंट्रोल सुविधा को सबने सराहा है.

ई-वालेट : ऑनलाइन द्वारा अपना यात्रा टिकिट, अपने मोबाईल रिचार्ज, अपने दैनंदिन सामान , रेस्टॉरंट का बिल, ऑनलाइन शॉपिंग करने के लिए ग्राहक को अपनी व्यक्तिगत जानकारी भरनी होती है . इसी प्रक्रिया को आसान करने हेतु ई-वॉलेट बनाया गया है. ई-वॉलेट यानि जिसे हम बटुआ भी कह सकते हैं. अर्थात एक वर्चुअल वालेट. ग्राहक बार-बार दी जाने वाली बैंकिंग तथा अन्य व्यक्तिगत जानकारी ई-वॉलेट में देकर रजिस्ट्रर्ड कर सकता है. अपने हर खरीदी में भुगतान का माध्यम रजिस्टर्ड ई-वोलेट कर आसानी से भुगतान कर सकता है. उसे बार –बार अपनी जानकरी देनी नहीं होगी.

यूपीआई : भारत सरकार द्वारा भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के सहयोग से यूपीआई, बीमा जैसे भुगतान हेतु मोबाईल एप्लीकेशन बनाए गए हैं. यूपीआई अर्थात यूनिफाईड पेमेंट इंटरफेस जोकि एक मल्टी बैंकिंग प्रणाली है. इसका उपयोग स्मार्ट फोन के माध्यम से किया जा सकता है . इसमें उपयोगकर्ता को अपना एक वर्चुअल आई.डी बनाना होता है. यूपीआई उपयोगकर्ता अपना क्यूआर कोड बनाकर व्यावसायिक लेनदेन भी कर सकता है.

हिंदी दिवस पर कविता

संस्कृत की एक लाड़ली बेटी है ये हिन्दी।
बहनों को साथ लेकर चलती है ये हिन्दी।
सुंदर है, मनोरम है, मीठी है, सरल है,
ओजस्विनी है और अनूठी है ये हिन्दी।
पाथेय है, प्रवास में, परिचय का सूत्र है,
मैत्री को जोड़ने की सांकल है ये हिन्दी।
पढ़ने व पढ़ाने में सहज है, ये सुगम है,
साहित्य का असीम सागर है ये हिन्दी।
तुलसी, कबीर, मीरा ने इसमें ही लिखा है,
कवि सूर के सागर की गागर है ये हिन्दी।
वागेश्वरी का माथे पर वरदहस्त है,
निश्चय ही वंदनीय मां-सम है ये हिंदी।
अंग्रेजी से भी इसका कोई बैर नहीं है,
उसको भी अपनेपन से लुभाती है ये हिन्दी।
यूं तो देश में कई भाषाएं और हैं,
पर राष्ट्र के माथे की बिंदी है ये हिन्दी।

रसोई घर से .....

सुश्री षिनीता सी.
सहायक प्रबंधक
आरएसी विभाग

कद्दू की एरिसेरी

सामग्री : लाल कद्दू (Red Pumpkin) -250 ग्राम, लाल चवली (Red Cowpea) 150 ग्राम, नारियल -1 कप, हरी मिर्च-03, नमक स्वादानुसार, छोटे प्याज-05, जीरा- 1 चम्मच, हल्दी – आधा चम्मच, सूखी लाल मिर्च -03, राई- 1 चम्मच

विधि : सबसे पहले कद्दू को चौरस (क्यूबीक) आकार में काटना है. कुकर में कद्दू , लाल चवली, बारीक कटी हुई हरी मिर्च एवं हल्दी पाउडर, नमक डालकर तीन सीटी आने तक रखना है. इसी बीच नारीयल एवं 04 छोटे प्याज और थोडा सा पानी डालकर पीस कर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को कुकर में पकाये हुए चवली में डाल कर अच्छे से मिला लें और थोड़ा पका लें.

एक छोटे तवे पर 2 चम्मच नारियल का तेल डालकर उसमें जीरा एवं राई डालना है, 2 छोटे कटे हुए प्याज डालना है और 2 चम्मच नारियल डालकर फ्राय करना है. बाद में इसे कुकर में पके हुए सामग्री पर डालकर अच्छे से मिलाना है. केरल का कद्दू एरिसेरी तैयार है. इसे चावल या चपाती के साथ परोसा जा सकता है.

भाग्य साहसी लोगों का साथ देता है.

केरल का व्यंजन – अवियल

सामग्री : गाजर -02, लाल कद्दू -100 ग्राम, सफेद कद्दू- 100 ग्राम, बीन्स-50 ग्राम, सूरण – 50 ग्राम, कच्चा केला- 100 ग्राम, ड्रमस्टिक -2, गवार-50 ग्राम, दही -400 मि. ग्रा.

पेस्ट तैयार करने के लिए : 200 ग्राम नारियल, 2-3 हरी मिर्च, जीरा- 1टी स्पून, नारीयल तेल – 2 चम्मच, कढ़ी पत्ता – 7-8, नमक स्वादानुसार

विधि : पानी डालकर नारियल, हरी मिर्च और जीरा मिक्स करके पेस्ट बना लें. इसके बाद उसमें फैंटी हुई दही डालकर मिक्स कर लें. पैन में पानी डालकर उसमें उपर बताई गई सब्जियाँ को मोटे- मोटे पीस में काटकर उबाल लें. जब सब्जियाँ आधी पक जाएँ तो इसमें तैयार किया हुआ पेस्ट डाल दें. साथ ही कढ़ी पत्ता डाल दें. सभी को मिक्स करके एक बार उबाल लें. जब सब्जियाँ पूरी तरह से पक जाएं, तो ऊपर से नारीयल का तेल डालकर सर्व करें. अवियल तैयार है.

अन्य कार्यक्रम

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में दिनांक 16.07.2022 को मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय के सुंदर नगर शाखा द्वारा उमेद भाई पटेल अंग्रेजी एकाडमी स्कूल में ज्ञान गंगा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.

वृक्षारोपण कार्यक्रम

दिनांक 11.07.2022 को मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय के कोसबाड शाखा द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

केन्द्रीय कार्यालय ,राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित 43वीं अखिल भारतीय हिन्दी निबंध प्रतियोगिता -2022 में भाषाई क्षेत्र “ख” में
प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत निबंध

सुश्री श्रुति पाल
सहायक प्रबंधक
मु.उ.क्षे.का.

कर्तव्येन कर्ताभि रक्षयते

हमारे दिवंगत राष्ट्रपति डॉ ज़ाकिर हुसैन के शब्दों में-

“कर्तव्य आज्ञा का अंधाधुंध पालन करना नहीं हैं, बल्कि यह अपने बंदिशो और कर्तव्य को निभाने की तीव्र इच्छा हैं.“

परिचय:

कर्तव्य परायण का अर्थ कर्तव्य के प्रति आदर भाव रखना होता है. मानव को यथाशक्ति और आवश्यकतानुसार कार्य करना ही उसके कर्तव्य परायण होने की पहचान है. मानव जीवन कर्तव्यों का भंडार है, उसके कर्तव्य उसकी अवस्था के अनुसार छोटे और बड़े होते हैं. इनको पूर्ण करने से जीवन में उल्लास, आत्मिक शांति और यश मिलता है .

बचपन में माता-पिता तथा परिजनों की आज्ञा मानना भी कर्तव्य कहलाता है. विद्यार्थी जीवन में गुरू की आज्ञा ही उसका कर्तव्य बन जाता है. युवावस्था में उसके कर्तव्य परिजनों, पड़ोसियों के अतिरिक्त राष्ट्र के प्रति भी हो जाते हैं. उसके कंधों पर समाज और राष्ट्र की उन्नति का भार आ पड़ता है. उसे देश की कारीगरी, कला-कौशल और व्यापार की उन्नति करनी पड़ती है. ऐसे तमाम कर्तव्य से उसका जीवन सदा त्याग, तपस्या और सेवा - भाव में लिप्त रहता है.

उदाहरण :

कर्तव्य परायण के कुछ उदाहरण भी मिलते है. कर्तव्यपरायण महाराणा प्रताप ने अनेक कष्टों को सहन किया पर मुगलों के सामने कभी नतमस्तक नहीं हुए. श्री राम ने कर्तव्यपरायणता से वशीभूत होकर गर्भवती सीता का परित्याग किया. लक्ष्मण ने भाई की आज्ञा को कर्त्तव्य समझकर पालन किया. राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने इसके पीछे अपने अमूल्य जीवन की आहुति दे दी.

नेताजी ने इसके पीछे ही विदेश में जाकर अपने देश को आजाद कराने हेतु अनेकों युक्तियों से टक्करें मारीं और अपने जीवन को इस पर बलिदान कर दिया. इन सभी का नाम इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित ही नहीं अपितु प्रत्येक भारतीय की जिह्वा पर है. कर्तव्य पालन ही एक ऐसी विधा है जिसके द्वारा हम अवर्णनीय आनन्द को प्राप्त कर सकते हैं. इसके आनन्द से मदमस्त मानव मातृभूमि की रक्षा हेतु हर्षित मन से फांसी के तख्ते पर लटक जाता है.

जरुरत:

हम सबके मन में एक शक्ति होती है. वह हमें अच्छे कामों में लगाती है और बुरे कामों से रोकती है. हम कर्तव्यपालन करते हैं तो हमें बड़ी खुशी होती है. संसार में उन्हीं लोगों को सबसे अधिक सम्मान मिलता है, जो अपने कर्तव्य का ठीक तरह से पालन करते हैं. जिस जाति के लोग कर्तव्यपालन करने की आदत बना लेते हैं, वह जाति अवश्य उन्नति के पथ पर अग्रसर रहती हैं.

कर्तव्य पालन करने वाले मनुष्य के वचन और बर्ताव में सच्चाई होती है . वह एक मजबूत चट्टान पर खड़ा होता है, उसे गिरने का भय नहीं होता. कर्तव्य पालन करने वाला अपने हर एक काम को ठीक ढंग से और उचित समय पर करता है. जो कर्तव्य पालन नहीं करता उसे सौ बहाने बनाने पड़ते हैं. उसे झूठ का आसरा लेना पड़ता है. झूठ की माँ कायरता है. समय पर अपना कर्तव्य पालन करते रहने से काम अपने आप सफल होने लगते हैं. सफलता की आदत पड़ जाती है.

महत्व :

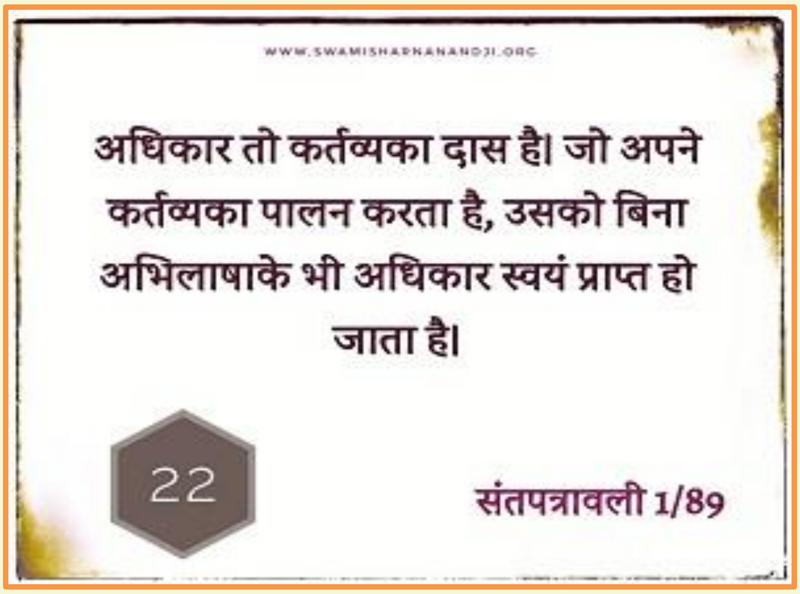

कर्तव्य के लिए यह भी आवश्यक है कि आप अपने लक्ष्यों के बारे में सपने देखने के बजाय उनके प्रति कार्य करें. मानव जीवन के प्रति कर्तव्य के निम्नलिखित लाभ हैं -

1. प्रभावी संचार के लिए कर्तव्य आवश्यक है :

जिम्मेदार लोग सच्चे और ईमानदार होते हैं. कर्तव्य प्रभावी संचार में महत्वपूर्ण घटक है क्योंकि यह दरवाजे खोलता है और लोगों को संबंध बनाने की अनुमति देता है जिससे सहयोग और सहयोग की संभावना बढ़ जाती है.

2. कर्तव्य आपको काम पूरा करने में मदद करती है :

कर्तव्य महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको अधिक उत्पादक बनाती है. जिम्मेदारियों को टालने के अक्सर विलंब होताहै,जो समय और उर्जा बर्बाद करता है जिसे अन्य कार्यों पर बेहतर तरीके से खर्च किया जा सकता है.

3. कर्तव्य जवाबदेही को प्रोत्साहित करता है :

कर्तव्य जवाबदेही को जन्म देता है, जो किसी भी व्यक्ति या संगठन के लिए सबसे महत्वपूर्ण लक्षणों में से एक है .

4. कर्तव्य से आत्म-सम्मान बढ़ता है :

कर्तव्य आपके आत्म-सम्मान को बढ़ा सकती है क्योंकि यह आपको वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करती है.

5. कर्तव्य जीवन का पाठ पढ़ाती है :

कर्तव्य के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक यह है कि यह जीवन के मूल्यवान सबक सिखाता है. कर्तव्य आपको कठिन परिस्थितियों को संभालने, अच्छे निर्णय लेने और लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने का सही तरीका सीखने में मदद करती है. कर्तव्य महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको एक बेहतर इंसान बनाती है. कर्तव्य आपको सिखाती है कि दूसरे लोगों की सुरक्षा, संपत्ति और भावनाओं के लिए कैसे जिम्मेदार होना चाहिए.

6. कर्तव्य नैतिक चरित्र को बढ़वा देता है :

कर्तव्य एक महत्वपूर्ण नैतिक अवधारणा है जो मजबूत चरित्र के निर्माण में मदद करती है. जब आप जिम्मेदार होते हैं, तो आप ईमानदारी और सम्मान के साथ कार्य करते हैं, तब भी जब कोई नहीं देख रहा हो. यह आपके समुदार के भीतर और दूसरों की नज़र में विश्वास और सम्मान बनाता है.

7. कर्तव्य मजबूत संबंध बनाने में मदद करती है :

जब आप जिम्मेदार होते हैं, तो आप अधिक विश्वसनीय और भरोसेमंद व्यक्ति बन जाते हैं. आप दूसरों से साथ सहयोग करने और सामान्य लक्ष्यों की दिशा में काम करने की भी अधिक संभावना रखते हैं.

8. कर्तव्य दुर्घटनाओं को रोकती है :

घर, सड़क और कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कर्तव्य आवश्यक है. जब लोग जिम्मेदार होते हैं, तो वे दुर्घटनाओं और चोटों से बचने के लिए आवश्यक सावधानी बरतते हैं. यह जीवन, धन और समय बचा सकता है.

9. कर्तव्य व्यक्तिगत सफलता की कुंजी है :

जब आप जिम्मेदार होते हैं, हैं,तो आप अपने जीवन और अपने कार्यों का स्वामित्व लेते हैं. आप लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने की अधिक संभावना रखते हैं क्योंकि आपके पास ऐसा करने के लिए अनुशासन और दृढ़ संकल्प है.

10. कर्तव्य गुणवत्ता कार्य सुनिश्चित करती है :

कर्तव्य गुणवत्ता कार्य सुनिश्चित करती है क्योंकि यह लोगों को हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ संभव कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जब वे कोई परियोजना या कार्य करते हैं.

11. कर्तव्य संगठनात्मक दक्षता को बढ़ावा देता है :

कर्तव्य एक ऐसा वातावरण बनाकर संगठानात्मक दक्षता को बढ़ावा देता है जहाँ हर कोई अपनी भूमिका जानता है और उनसे कया अपेक्षा की जाती है. जब लोग जिम्मेदार होते हैं, तो वे संगठन ने नीति और नियमों का पालन करने की अधिक संभावना रखते हैं, जिससे कार्यस्थल अधिक सुचारु रूप से चलता है.

12. कर्तव्य सहयोग को प्रोत्साहित करता है :

जब हर कोई वह कर रहा होता है जो उसे करना चाहिए, तो काम अधिक तेज़ी से, ठीक से और कुशलता से हो जाता है. सहयोग रिश्तों को भी मजबूत करता है और विश्वास निर्माण करता है.

13. व्यक्तिगत विकास के लिए कर्तव्य महत्वपूर्ण है :

व्यक्तिगत विकास के लिए कर्तव्य महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको खुद के सर्वश्रेष्ठ संस्करण में विकसित होने में मदद करती है. ये कौशल जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक है, आपके करियर से लेकर दोस्तों और परिवार के साथ आपके संबंधों तक.

कर्तव्येन कर्ताभि रक्षयते :

यह आपका व्यवहार है, आपका दृष्टिकोण ही तय करता है कि आपके जीवन में क्या होने वाला है. तुम जो बोओगे वही काटोगे, अच्छा या बुर. अपने जीवन की तुलना आईने से कर सकते हैं. जब हम शीशे को देखते हैं तो उसमें हमारा चेहरा नजर आता है. अगर हम मुस्कान के साथ देखेंगे तो आईना भी वैसा ही प्रतिबिम्बित करेगा. कल या आने वाले भविष्य में, आपके कर्म आपके पास लौट आते हैं. यही प्रकृति का नियम है.

जीवन में कर्तव्य का पालन करने से मानवता का सम्मान होता है, जो निम्नदर्शित विविध बिन्दुओं से स्पष्ट दर्शित होता हैं -

- **पर्यावरण सम्बंधी कर्तव्यों का निर्वहन करने से प्रकृति उसका फल प्रदुषण मुक्त एवं स्वस्थ समाज के रूप में मिलता हैं –**

  व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक वह प्रकृति के गोद में जन्म लेता हैं, बड़ा होता हैं और फिर जीवन निर्वाह करके मृत्यु को प्राप्त होता है. इस प्रकृति ने जिसने हमें वो सब दिया जिससे हम सांस से लेकर जीवनवाहिनी विविध संसाधनों का दोहन करते हैं. प्रकृति का संरक्षण करके हम समाज में प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं एवं प्रकृति के संरक्षण के माध्यम से हम प्रदूषण मुक्त एवं स्वस्थ्य समाज की प्राप्ति करते हैं.

जब लोग अपने कार्यों के अनुरुप कर्तव्य लेते हैं, तो वे पर्यावरण के अनुकूल विकल्प चुनने

की अधिक संभावना रखते हैं जो प्रकृति को लाभ पहुँचाते हैं, उदाहरण के लिए वे रीसायकल कर सकते हैं, ऊर्जा का संरक्षण कर स्कते हैं और कम पानी का उपयोग कर सकते हैं. आखिर एक व्यक्ति को फर्क पड़ता है.

❖ **समाज के प्रति कर्तव्य का पालन करने से लोगों के सोच में बदलाव आता है एवं समाज का कल्याण होता है –**

व्यक्ति को जन्म के साथ समाज के प्रति एवं जिस समाज में उसका जन्म हुआ है उस समाज के उत्थान के लिए एवं समाज से कुरीतियों की समाप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहना चाहिए. समाज के निरंतर एवं सामायिक प्रगति बनी रहे, समाज में एक उत्तम उदाहरण प्रस्तुत करके समाज के विविध अंगों को संचालिए करने के लिए विविध कर्तव्यों का पालन करके व्यक्ति समाज में देवत्व का स्थान प्राप्त करता है.

❖ **व्यक्ति अगर खुद के कर्तव्यों का निर्वहन करता है तो उसका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम स्थिति में बना रहता है –**

व्यक्ति को जन्म के साथ उसको प्राकृतिक रूप से कुछ कर्तव्यों की प्राप्ति होती है, जिसका पग पग पर उसे निरंतर निर्वहन करना होता है. स्वयं के प्रति देखा जाए तो व्यक्ति को खुद को स्वस्थ एवं निरोगी रखना उसका सबसे बड़ा कर्तव्य है, जिस परिवार में उसका जन्म हुआ जिस परिवार ने उसे पाल पोस कर बड़ा किया उस परिवार के सुख दु:ख का खयाल रखना एवं परिवार की लाठी बनकर उनका संरक्षण करने का कर्तव्य होता है. उन सभी कर्तव्यों का पालन करने से व्यक्ति मानसिक रूप से शांति एवं संतुष्टि प्राप्त करता है एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोगी काया के साथ जीवन निर्वाह कर सकता है.

सुविचार

हमारा कर्त्तव्य है कि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखें... अन्यथा हम अपने मन को सक्षम और शुद्ध नहीं रख पाएंगे।

- बुद्ध

भगवान महान भुगतान कर्ता हैं, हम उनकी कारीगरी हैं, हम मिट्टी हैं और वह कुम्हार है इसलिए भगवान के लिए कुछ करें जिसने आपको बनाया है और वह उन चीजों को नहीं भूलेगा जो आप करते हैं लेकिन आपको आपका वेतन मिलेगा, अच्छा या अ बुरा.

उपसंहार :

महान कवि वाल्मीकि ने राम और सीता के रूप में कर्तव्य का अवतार बनाया. राम अपने पिता की आज्ञा का आनंदपूर्वक, स्वेच्छा से और आज्ञाकारी रूप से पालन करते हुए कितने महान हैं. सभी को उसी तरह से कर्तव्य निभाना है जैसे राम ने किया था.

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन.
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

भगवद-गीता हमें कर्तव्य के बारे में सिखाती है. भगवान कृष्ण कहते हैं कि अपना कर्तव्य करो और अपने द्वारा किए गए कर्तव्य के फल की कभी इच्छा मत करो. राम के लिए 'सेतु' के निर्माण में एक गिलहरी ने अपना कर्तव्य निभाया. इसलिए व्यक्ति चाहे छोटा हो या बड़ा, समाज, राष्ट्र और मानवता के लिए बड़े पैमाने पर कर्तव्य का पालन करना चाहिए.

कर्तव्य-पालन का गुण मानव में ही नहीं प्रकृति में ही सैदव से देखने को मिलता है. सूर्य, चंद्र और नक्षत्र नित्य सृष्टि को प्रकाश प्रदान कर अपने कर्तव्य का पालन करते रहते है. इसी प्रकार जल और वायु प्राणी को जीवन प्रदान करते हैं, धरती अनेक प्रकार के पदार्थों की पूर्ति करती रहती है. यह परम्परा प्रकृति के आरम्भ से चली आ रही है.

अगर हम अपने कर्तव्य की पूर्ति परमात्मा को धन्यवाद देते हुए अहो भाव से करें कि उसने हमें एक अवसर दिया है तो कर्तव्य पालन हमें एक नए आनंद व स्फूर्ति से परिपूर्ण कर देगा. दूसरी बात यह कि अहोभाव से किया गया कर्तव्य पालन हमें फलाकांक्षा रूपी दुख से दूर रखेगा. कर्त्तव्य – पालन जीवन की वह सार्थकता है जिसकी महत्ता का बखान विश्व के कोने – कोने कोने में किया जाता रहा है और भविष्य में भी किया जाता रहेगा.

कर्तव्य पथ पर निरंतर प्रगतिशील रहना कठिन जरूर हैं लेकिन कर्तव्य पथ पर अग्रसर कर्ता के लिए सरलता और सुगमता का द्वार हमेशा स्वयं के द्वारा, समाज के द्वारा, प्रकृति के द्वारा एवं ईश्वर के द्वारा हमेशा खुला रहता है. कर्तव्य पथ पर निरंतर निडरता के साथ आगे बढ़ने वाले कर्ता की रक्षा सदैव उसके कर्तव्य परायणता से होता है.

"ईश्वर कभी भी उस व्यक्ति की सहायता नहीं करता जो कर्तव्य पालन नहीं करता है."

- ई.वी. पूसे

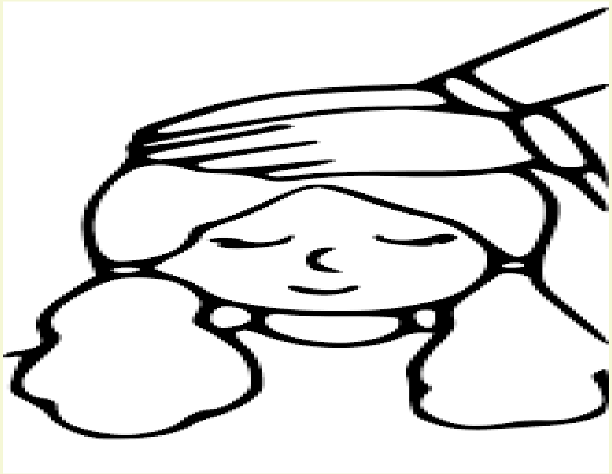

दिनांक 30.09.2022 पर आधारित

मुंबई उपनगरीय क्षेत्रीय कार्यालय : एक नजर कुल शाखाएँ : 39 +सैम+ सीएफबी = 41		
महानगरीय 36	अर्द्ध – शहरी 01	ग्रामीण 04

कुल अग्रिम (₹ करोड़ में)			
रिटेल 1337	एमएसएमई 543	कृषि 14	एनपीए 5223

व्यवसाय एक नजर में (₹ करोड़ में)		
चालू जमा 399	बचत जमा 3148	कासा जमा 3547

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए ''केंद्रित'' "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी

एक भाषा जो हम सबको साथ जोड़ती है

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया की ओर से आप सभी को
हिंदी दिवस की बधाई